



उत्सर्जन गैप रपॉर्ट 2021: यूएनईपी

प्रलिस के ललल:

गरीनहाउस गैस, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, उत्सर्जन गैप रपॉर्ट, शुद्ध-शून्य उत्सर्जन

मेन्स के ललल:

उत्सर्जन गैप रपॉर्ट 2021 के अंतर्गत नई शमन प्रतलद्धताएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (United Nations Environment Programme- UNEP) की उत्सर्जन गैप रपॉर्ट, 2021 (Emissions Gap Report, 2021) जारी की गई है।

- यह UNEP [उत्सर्जन गैप रपॉर्ट](#) का बारहवाँ संस्करण है। यह सूचित करता है कनिई राष्ट्रीय जलवायु प्रतलद्धताओं ने शमन के अनूय उपायों के साथ मलकर दुनधल को सदी के अंत तक वैश्वकल तापमान में वृद्धल को कम करके 2.7 डिग्री सेल्सलस तक रखने का लक्ष्य नरलधरतल कथल है।

प्रमुख बंदि

- **GHGs में नरिंतर वृद्धि:**
 - वर्ष 2020 में 5.4% की अभूतपूर्व गरिावट के बाद [वैश्वकि कारबन डाइऑक्साइड उतसरजन](#) कोवडि-पूर्व स्तर पर वापस आ रहा है और वातावरण में [गरीनहाउस गैसों \(GHG\)](#) की सांद्रता में वृद्धि जारी है ।
- **नई शमन प्रतबिद्धताएँ:**
 - वर्ष 2030 के लिये [नई शमन प्रतबिद्धताओं](#) में कुछ प्रगतदिखाई दे रही है, लेकनि वैश्वकि उतसरजन पर उनका कुल प्रभाव अपर्याप्त है ।
 - एक समूह के रूप में **G20 सदस्य अपनी मूल या वर्ष 2030 तक नई प्रतबिद्धताओं** को प्राप्त करने की **दशा पर परलिकषति नहीं** हैं ।
 - दस G20 सदस्य अपने पछिले [राष्टरीय स्तर पर नरिधारति योगदान \(NDC\)](#) को प्राप्त करने की दशा में कारयरत हैं, जबकि सात सदस्य इस लक्षति दशा से काफी दूर हैं ।
 - शरत रहति एनडीसी की तुलना में वर्ष 2030 के लिये नई प्रतबिद्धताएँ वर्ष 2030 के लिये अनुमानति उतसरजन को केवल 7.5% कम करती हैं, जबकि 2 डग्री सेल्सियस के लिये 30% और 1.5 डग्री सेल्सियस के लिये 55% कम करने की आवश्यकता होगी ।
- **शुद्ध-शून्य उतसरजन:**
 - वैश्वकि उतसरजन के लक्ष्य को आधे से अधिक को कवर करने वाले 50 देशों द्वारा कयि गए दीर्घकालकि [शुद्ध-शून्य उतसरजन](#) में बड़ी वभिनिनताएँ परलिकषति हुई हैं ।
 - **शुद्ध शून्य उतसरजन** का आशय है कसिभी मानव नरिमति गरीनहाउस गैस उतसरजन को शमन उपायों के माध्यम से वातावरण से हटा दिया जाना चाहयि । इस प्रकार प्राकृतकि और कृत्रमि सकि के माध्यम से हटाए जाने के बाद पृथ्वी के नेट क्लाइमेट बैलेंस को कम करना चाहयि ।
 - G20 सदस्यों के NDC लक्ष्यों में से कुछ ने शुद्ध-शून्य प्रतबिद्धताओं को अपनाकर उतसरजन को सही दशा प्रदान की है ।
 - इन प्रतबिद्धताओं को **नकिट अवधकि लक्ष्यों और कार्यों के साथ वापस जुड़ने की तत्काल आवश्यकता** है जो यह विश्वास दलिते हैं कि शुद्ध-शून्य उतसरजन अंततः प्राप्त कयि जा सकता है और कारबन क्रेडिट शेष रखा जा सकता है ।
- **ग्लोबल वार्मगि:**
 - यदि बिना कसिी शरत के वर्ष 2030 तक सभी प्रतबिद्धताओं तथा 2.6 डग्री सेल्सियस को भी लागू कयि जाता है तो सदी के अंत में ग्लोबल वार्मगि का अनुमान 2.7 डग्री सेल्सियस रहेगा ।
 - यदि शुद्ध शून्य उतसरजन प्रतबिद्धताओं को अतरिक्रि रूप से पूरी तरह से लागू कयि जाता है तो यह अनुमान लगभग 2.2 डग्री सेल्सियस तक कम हो जाएगा ।
- **मीथेन उतसरजन:**
 - जीवाशम ईंधन, अपशषिट और कृषि कषेत्रों से **मीथेन के उतसरजन** में कमी अलपावधकि लिये उतसरजन गैप तथा वार्मगि को कम करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है ।
- **कारबन बाज़ार:**
 - **कारबन बाज़ार** वास्तवकि उतसरजन में कमी और महत्त्वाकांक्षा को बढ़ावा दे सकता है, लेकनि केवल तभी जब नयिमों को स्पष्ट रूप से परभिषति और डज़ाइन कयि गया हो तथा यह सुनिश्चति करने के लिये लेन-देन उतसरजन में वास्तवकि कमी को दर्शाने के साथ साथ प्रगतको ट्रैक और पारदर्शति प्रदान करने की व्यवस्था द्वारा समर्थति हो ।
- **वर्तमान स्थति:**
 - वर्तमान **वायुमंडलीय कारबन डाइऑक्साइड (CO2)** की सांद्रता पछिले दो मलियन वर्षों में कसिी भी समय की तुलना में अधिक है ।
 - वर्तमान में वर्ष 2020 के लिये कुल वैश्वकि गरीन हाँउस उतसरजन का **कोई अनुमान उपलब्ध नहीं** है ।
 - हालॉकि COVID-19 महामारी में वर्ष 2020 में एक छोटी सी गरिावट के साथ CO2 उतसरजन में अभूतपूर्व 5.4% की गरिावट दर्ज की गई ।
 - 2010 से 2019 तक भूमि उपयोग परिवर्तन (LUC) के साथ GHG उतसरजन में औसतन 1.3% प्रतविरष की वृद्धि हुई है ।
 - GHG उतसरजन 2019 के अनुसार, LUC उतसरजन के बिना CO2 (GtCO2e) का 51.5 गीगाटन और भूमि उपयोग परिवर्तन (LUC) के साथ 58.1 GtCO2e का रकिॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया ।
- **भारत में उतसरजन को कम करने के लिये प्रमुख पहल:**
 - **भारत स्टेज- IV (BS-IV) से भारत स्टेज-VI (BS-VI)** उतसरजन मानदंडों में बदलाव ।
 - **उजाला योजना** के तहत एलईडी बल्ब का वतिरण ।
 - **अंतरराष्टरीय सौर गठबंधन** का गठन ।
 - जलवायु परिवर्तन पर **राष्टरीय कारय योजना (एनएपीसीसी)** का शुभारंभ ।
 - 2025 तक भारत में **इथेनॉल सम्मशिरण** का रोडमैप ।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- **परचिय:**
 - 05 जून, 1972 को स्थापति संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) एक प्रमुख वैश्वकि पर्यावरण प्राधिकरण है ।
 - इसका प्राथमकि कारय वैश्वकि पर्यावरण एजेंडा को नरिधारति करना, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर सतत् विकास को बढ़ावा देना और वैश्वकि पर्यावरण संरक्षण के लिये एक आधिकारकि अधविक्ता के रूप में कारय करना है ।
- **मुख्यालय:**
 - **नैरोबी (केन्या)** ।
- **प्रमुख रिपोर्टस:**

◦ [उत्सर्जन गैप रिपोर्ट](#), [वैश्विक पर्यावरण आउटलुक](#), इन्वेस्ट इनटू हेल्थी प्लेनेट रिपोर्ट ।

■ **प्रमुख अभियान:**

◦ 'बीट पॉल्यूशन', 'UN75', [वशिव पर्यावरण दविस](#), वाइल्ड फॉर लाइफ ।

उत्सर्जन गैप रिपोर्ट:

- यह 2030 में अनुमानति उत्सर्जन और **पेरसि समझौते** के 1.5 डगिरी सेल्सयिस तथा 2 डगिरी सेल्सयिस लक्ष्यों के अनुरूप स्तरों के बीच के अंतर का आकलन करता है । हर साल यह रिपोर्ट इस अंतराल को समाप्त करने के तरीके पेश करती है ।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/emissions-gap-report-2021-uneq>